



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 342]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 1, 1977/श्रावण 10, 1899

No. 342]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 1, 1977/SRAVANA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

ORDER

*New Delhi, the 1st August 1977*

**S O. 602(E)**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

**1 Short title, commencement and duration.**—(1) This Order may be called the Refined Groundnut Oil (Regulation of Refining and Price) Control Order, 1977.

(2) It shall come into force at once, and shall cease to operate on the expiry of a period of six months from the date of commencement of the Order except as respects things done or omitted to be done before such cesser

**2. Definitions.**—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) “appointed day” means the date of commencement of this Order;

(b) “expeller groundnut oil” means oil expelled from clean and sound groundnuts (*arachis hypogea*) by the expeller process, but does not include groundnut oil obtained from groundnut oil cake by the solvent extraction process,

(c) “Packaged Commodities Order” means the Packaged Commodities (Regulation) Order, 1975;

(d) “refined groundnut oil” means groundnut oil which has been neutralised with alkali, bleached with bleaching earth or activated carbon or both, and deodorised with steam, and shall include any groundnut oil which has been subjected to any or two of these processes

3. **Prohibition of manufacture of refined groundnut oil.**—Notwithstanding anything contained in the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Order, 1973, no person shall, on and from the appointed day, manufacture refined groundnut oil from expeller groundnut oil

4. **Price at which refined groundnut oil may be sold.**—No person shall, on and from the appointed day, himself or by any other person on his behalf, sell or offer to sell refined groundnut oil—

(a) in cases where such groundnut oil is required to be sold in a packaged form under the Packaged Commodities Order, at a price exceeding the price at which such groundnut oil is required to be sold in such form on the appointed day, and

(b) in any other case, at a price exceeding the price prevailing in the market on the appointed day

*Explanation.*—For the purposes of clause (a), “price” has the same meaning as in clause (n) of paragraph 2 of the Packaged Commodities Order

5. **Declaration of stocks**—Every person engaged in the manufacture of refined groundnut oil from expeller groundnut oil immediately before the appointed day shall, within seven days from that day, declare in such form as may be specified by the Central Government or the State Government the stocks of refined and unrefined groundnut oil in his possession on the appointed day to the Central Government or the State Government or any officer authorised by the Central Government or the State Government in this behalf.

[No F.20(12)/77-ECR]

T BALAKRISHNAN, Jt. Secy.

### मागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1977

का० प्रा० 602 (अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्—

1. **संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और अस्तित्वावधि**—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम परिष्कृत मूंगफली का तेल (परिष्करण और कीमत का विनियमन) नियंत्रण आदेश, 1977 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा, और इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख से छह मास की अवधि समाप्त हो जाने पर, उन बातों के विषय सिवाय जो ऐसी समाप्ति से पूर्व की जा चुकी है या की जाने से रह गई है, प्रवृत्त नहीं रह जाएगी।

2. **परिभाषाएं.**—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “नियत दिन” से इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख अभिप्रेत है ;

(ख) “निष्कासक मूंगफली तेल” से अच्छी और साफ मूंगफलियों से निष्कासन प्रक्रिया द्वारा निकाला गया तेल अभिप्रेत है किन्तु इसके अन्तर्गत मूंगफली का ऐसा तेल नहीं आता जो विलायक निष्कासन द्वारा मूंगफली की खली से प्राप्त होता हो ;

(ग) “पैकेज में रखी गई वस्तु आदेश” से पैकेज में रखी गई वस्तु (विनियमन) आदेश, 1975 अभिप्रेत है ;

- (घ) “परिष्कृत मूंगफली का तेल” से ऐसा मूंगफली का तेल अभिप्रेत है जिसे क्षार के साथ निष्प्रभावी किया गया हो, विरंजन मिट्टी या सक्रिय कारबन या दोनों से विरंजित किया गया हो और भाप से निगोधीकृत किया गया हो, और उसके अन्तर्गत ऐसा मूंगफली का तेल भी है जिस पर इसमें से कोई एक या दोनों प्रक्रियाएँ की गई हो।

3. परिष्कृत मूंगफली के तेल के विनिर्माण का प्रतिषेध.—वनस्पति तेल-उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल विनिर्माण का विनियमन) आदेश, 1973 में किसी भी बात के होते हुए भी, कोई व्यक्ति, नियत तारीख की ओर से, निष्कासक मूंगफली तेल से परिष्कृत मूंगफली के तेल का विनिर्माण नहीं करेगा।

4. वह कीमत जिस पर परिष्कृत मूंगफली का तेल बेचा जा सकेगा.—कोई भी व्यक्ति, नियत दिन को और से, स्वयं या अपनी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, परिष्कृत मूंगफली के तेल को —

- (क) उन दशाओं में, जिनमें ऐसा मूंगफली का तेल पैकेज में रखी गई वस्तु आदेश के अधीन पैकेज के रूप में बेचे जाने के लिए अपेक्षित है, उस कीमत से, जिस पर ऐसे मूंगफली के तेल को नियत दिन को उस रूप में बेचा जाना अपेक्षित है, अधिक कीमत पर; और

- (ख) किसी अन्य दशा में, उस कीमत पर, जो नियत दिन को बाजार में प्रचलित कीमत से अधिक हो, न तो बेचेगा और न बेचने की प्रस्थापना करेगा।

स्पष्टीकरण.—खण्ड (क) के प्रयोजनों के लिए, “कीमत” का वही अर्थ है जो पैकेज में रखी गई वस्तु आदेश के पैरा 2 के खण्ड (ड) में उसे दिया गया है।

5. उत्पादक द्वारा स्टार्कों की घोषणा.—प्रत्येक व्यक्ति, जो नियत दिन के ठीक पूर्व निष्कासक मूंगफली तेल से, परिष्कृत मूंगफली तेल के विनिर्माण में लगा हुआ है, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार, या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी को, परिष्कृत और अपरिष्कृत मूंगफली के तेल के स्टार्क को, जो नियत दिन को उसके कब्जे में है, ऐसे प्ररूप में, जो केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, उक्त दिन से सात दिन के भीतर, घोषित करेगा।

[सं०फा० 20 (12) / 77-ई०सी० आर०]

टी० बालकृष्णन, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मूद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

